No. of Printed Pages : 3 **BSKC–111**

बी. ए. (ऑनर्स) (संस्कृत) (बी. ए. एस. के. एच.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2025

बी.एस.के.सी.–111 : वैदिक साहित्य

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *इस प्रश्न-पत्र में तीन खण्ड हैं। सभी खण्ड अनिवार्य हैं। खण्डों में दिए गए निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

खण्ड–क

(व्याख्या आधारित प्रश्न)

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** मंत्रों की व्याख्या कीजिए : 2×10=20

(i) अग्निमीडे पुरोऽहितं यज्ञस्य देवमृत्विजम्।
होतारं रत्नधातमम्।।

(ii) हिरण्यगर्भः समवर्तताग्रे भूतस्य जातः पतिरेक आसीत्।
स दाधार पृथिवीं द्यामुतेमां कस्मै देवाय हविषा विधेम्।।

(iii) अक्षैर्मा दीव्यः कृषिमित्कृषस्व वित्ते रमस्व बहु मन्यमानः।
तत्र गावः कितव तत्र जाया तन्मे विचष्टे सवितायमर्यः।।

(iv) सत्यं बृहदृतमुग्रं दीक्षा तपो ब्रह्मयज्ञः पृथिवीं धारयन्ति।
सा नो भूतस्य भव्यस्य पत्न्युरुं लोकं पृथिवी नः कृणोतु।।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की व्याख्या कीजिए :

2×10=20

(i) यथोर्णनाभिः सृजते गृह्णते च यथा पृथिव्यामोषधयः सम्भवन्ति।
यथा सतः पुरुषात् केशलोमानि तथाऽक्षरात् संभवतीह विश्वम्।।

(ii) प्लवा ह्येते अदृढा यज्ञरूपा अष्टादशोक्तभवरं येषु कर्म।
एतच्छ्रेयो येऽभिनन्दन्ति मूढा जरामृत्युं ते पुनरेवापि यन्ति।।

(iii) अविद्यायामन्तरे वर्तमानाः स्वयं धीराः पण्डितं मन्यमानाः।
जङ्घन्यमानाः परियन्ति मूढा अन्धेनैव नीयमाना यथान्धाः।।

(iv) द्वा सुपर्णा सयुजा सखाया समानं वृक्षं परिषस्वजाते।
तपोरन्यः चिप्पलं स्वाद्वत्त्यनश्नन्नन्यो अभिचाकशीति।।

खण्ड–ख

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2×20=40

(i) ऋग्वेद के उषा सूक्त का वर्णन करते हुए उषा के प्रतीकात्मक महत्व को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

अक्ष सूक्त के नैतिक और दार्शनिक पक्षों का विवेचन कीजिए।

(ii) मुण्डकोपनिषद् के तत्त्वज्ञान का वर्णन कीजिए।

अथवा

मुण्डकोपनिषद् के शिक्षण का वर्तमान समय में महत्व और प्रासंगिकता पर विचार कीजिए।

खण्ड–ग

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

2×10=20

(i) स्वरों का वेदार्थ में महत्व

(ii) वैदिक क्त्वार्थक प्रत्यय

(iii) वैदिक शब्द रूप

(iv) प्रश्न संख्या 1 में दिए गए मंत्रों में से किसी **एक** मंत्र का पद–पाठ कीजिए।

× × × × ×